Ordinance No.- 11

Vikram University Ujjain
Subject- History
Ph.D. Pre- Entrance Syllabus
Section- A Research Methodology
Section-B History

सत्र - 2024

Total Marks : 100

Section – A **Marks : 50**

रिसर्च मैथ्डोलॉजी

Research Methodology

1. विज्ञान और वैज्ञानिक पद्धति

सहज बुद्धि एवं विज्ञान, विज्ञान की अवधारणा, विज्ञान की प्रमुख विशेषताएँ, वैज्ञानिक पद्धति, वैज्ञानिक पद्धति के सौपान, विज्ञान के प्रकार, विशुद्ध और व्यावहारिक विज्ञान का सम्बन्ध, सामाजिक अनुसंधान में वैज्ञानिक पद्धति के प्रयोग की समस्या, राजनीतिक अन्वेषण की प्रकृति,

सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक शोध – समाजिक अनुसंधान एवं अन्वेषण, सामाजिक अनुसंधान के उद्देश्य, सामाजिक यथार्थ एवं अनुसंधान की प्रकृति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, सामाजिक अनुसंधान के प्रारूप , सामाजिक अनुसंधान की प्रक्रिया व चरण, सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं प्रयोग, सर्वेक्षण तथा अनुसंधान में समानताएँ, सर्वेक्षण तथा अनुसंधान में भिन्नताएँ, सिद्धान्त एवं अनुसंधान के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध, सामाजिक प्रघटना के अध्ययन में पद्धतिशास्त्रीय समस्याएँ, सामाजिक शोध, सामाजिक शोध के उद्देश्य, सामाजिक शोध की प्रकृति, सामाजिक शोध का अध्ययन क्षेत्र, सामाजिक शोध के प्रकार, सामाजिक शोध की आधारभूत मान्यताएँ, सामाजिक शोध के प्रमुख कारक, वैज्ञानिक शोध के प्रमुख चरण, सामाजिक शोध की उपयोगिता

Science and scientific Method- Common sense and science, Concept of science, Characteristics of Science, Scientific Method, Steps of Scientific Method, Types of Science, Relationship of pure and applied

Science, Problem of use of Scientific Method in Social Research, Nature of political enquiry.

Social Investigation & Social Research- Social investigation and enquiry, Objects of Social Investigation, Nature of Social Reality and investigation, Types of Social Investigation, Models of Social investigation, Process and steps of Social Investigation, Survey, Investigation and Experiment, Similarities between survey and investigation, Differences between survey and investigation, Relationship between theory and investigation, Methodological problems in the study of Social Phenomena, Social Research, Objects of Social Research, Nature of Social Research, Scope of Social Research, Types of Social Research, Basic Assumptions of Social Research, Motivating Factors of Social Research, Major steps In Social Research, Utility of Social Research.

2. अनुसंधान समस्या : चयन एवं पहचान

समस्या का चयन एवं उसकी परिभाषा, अनुसंधान–समस्याओं के स्रोत, अनुसंधान की समस्याओं के लक्षण, समस्या की पहचान अथवा निर्वचन, परिस्थिति विश्लेषण अथवा क्षेत्र निर्धारण, उद्देश्यों का निर्धारण

प्रतिरूप, पैराडाइम एंव सिद्धान्त– निर्माण– मॉडल या प्रतिरूप, प्रतिरूप का अर्थ एवं परिभाषा, प्रतिरूप की विशेषतायें, सामाजिक शोध के प्रतिरूप की उपयोगिता, प्रतिरूप की सीमाएँ, सामाजिक अनुसंधान के प्रतिरूप, प्रमुख समाज–विज्ञानीय प्रतिरूप, पैराडाइम, पैराडाइम का अर्थ एवं परिभाषा, पैराडाइम का महत्व एवं उपयोगिता, समाजशास्त्र में प्रकार्यात्मक विश्लेषण के लिए एक पैराडाइम, पैराडाइम एवं प्रतिरूप, सिद्धान्त–निर्माण, सिद्धान्त का अर्थ एवं परिभाषा, सिद्धान्त की विशेषताएँ, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त की संरचना, सिद्धान्त निर्माण के तत्व या रचना स्तम्भ, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त निर्माण की प्रक्रिया, सामाजिक विज्ञानों में सिद्धान्त निर्माण, सिद्धान्त निर्माण के क्षेत्र में आने वाली प्रमुख समस्याएँ

Research problem : Selection & Identification- Selection of Problem and its definition, Sources of Research Problems, Characteristics of the problem of Research, Identification and interpretation of

problem, The situation analysis & Determination of field, Determination of Objects.

Model, Paradigm & Theory building- Models, Meaning and definitions of Models, Characterisitics of models, importance of model in social research, Limitations of model, Models in Social Research, Main Socio-Scientific model, Paradigm, Meaning and definition of paradigm, Importance and utility of paradigm, A paradigm for functional analysis in Sociology, Paradigm and Model, Theory, Building, Meaning and definition of Theory, Characteristics of Theory, Structure of Sociological Theory, The elements or building blocks of theory building, Process of building of Sociologcial Theories, Theory building in Social Sciences, Major problems in the theory buildings.

3. अनुसंधान अभिकल्प एवं ऐतिहासिक पद्धति–

अनुसंधान प्ररचना का अर्थ एवं परिभाषाएँ, अनुसंधान प्ररचना की विशेषताएँ, अनुसंधान प्ररचना की विषय–वस्तु, अनुसंधान प्ररचना के चरण, अनुसंधान प्ररचना के उद्देश्य, अनुसंधान प्ररचना का वर्गीकरण या प्रकार, प्रतिपादनात्मक अथवा अन्वेषणात्मक अनुसंधान प्ररचना, अन्वेषणात्मक अनुसंधान प्ररचना के उद्देश्य, अन्वेषणात्मक अनुसंधान प्ररचना की विधियाँ, विवरणात्मक अथवा निदानात्मक अनुसंधान प्ररचना, विवरणात्मक अनुसंधान प्ररचना के उद्देश्य, वर्णनात्मक अनुसंधान प्ररचना के चरण, निदानात्मक अनुसंधान प्ररचना, प्रयोगात्मक अनुसंधान प्ररचना, प्रयोगात्मक अनुसंधान प्ररचना के प्रकार, प्रयोगात्मक अभिकल्प की आलोचना, अन्वेषणात्मक अथवा निरूपणात्मक शोध प्ररचना

ऐतिहासिक पद्धति– ऐतिहासिक पद्वति की अनिवार्य आवश्यकताएँ, ऐतिहासिक अनुसंधान की समस्याएँ, ऐतिहासिक तथ्यों के स्रोत, ऐतिहासिक पद्धति के प्रयोग में सावधानियाँ व प्रमुख चरण, ऐतिहासिक पद्धति का महत्व, ऐतिहासिक पद्धति की सीमाएँ

Research Design and Historical Method- Meaning and definitions of research design, Characteristics of research design, Subject matter of research design, Steps of research design, Objects of research design, Classification or types of research design, Formulative of exploratory research design, Objects of exploratory research design, methods of

exploratory research design, Descriptive or Diagnostic research design, objects of descriptive research design, Steps of descriptive research design, Diagnostic Research design, Experimental Research Design, Types of Experimental research design, Criticism of experimental design, Exploratory or Formulative research Design.

Historical Method- Sources of historical Datas, Importance of Historical Method, Limitations of Historical Method

4. क्रियात्मक शोध एवं अवधारणाओं का निर्माण

क्रियात्मक शोध की विशेषताएँ, क्रियात्मक शोध के चरण, क्रियात्मक शोध के लाभ, क्रियात्मक शोध के दोष, अवधारणा का अर्थ एवं परिभाषाएँ, अवधारणा की विशेषताएँ, अवधारणाओं का निर्माण, सामाजिक अनुसंधान में अवधारणा का महत्व, अवधारणाओं के सम्प्रेषण की समस्या, अवधारणीकरण, अवधारणीकरण के नियम, पुनर्अवधारणीकरण, अवधारणाओं का वर्गीकरण

निदर्शन– निदर्शन का अर्थ एवं परिभाषा, निदर्शन के आधार एवं विशेषताएँ, निदर्शन की अनिवार्य अवधारणाएँ, निदर्शन का आयोजन, एक श्रेष्ठ अथवा प्रतिनिधिपूर्ण निदर्शन की विशेषताएँ, निदर्शन के प्रकार, स्तरीकृत निदर्शन के लाभ अथवा महत्व एवं हानियाँ, निदर्शन की प्रमुख समस्यायें एवं उनके उपाय

Action research and Formation of Concepts- Meaning and definitions of Concepts, Characteristics of Concept, Construction of Concepts, Importance of Concept in Social Research, Problem of Communication of Concepts, Conceptualization, Rules of Conceptualization, Re-Conceptualization, Classification of Concepts.

Sampling- Meaning and definition of sampling, Basis and Characteristics of sampling, Essential Concepts of sampling, Planning of sampling, Characteristics of a Good and Representative sampling, Types of sampling, Advantages and Disadvantages of stratified sampling, Main problem of sampling and their solutions.

5. उपकल्पना

वाक्य–विन्यास, चर, परिभाषा, स्वंय–सिद्धियाँ, मान्यताएँ एवं उपकल्पनाएँ, उपकल्पना का अर्थ एवं परिभाषा, उपकल्पनाओं के आयाम या विमितियाँ, उपकल्पनाओं के उद्‌गम–स्रोत, उपकल्पनाओं का विकास, उपकल्पनाओं के प्रकार, उपकल्पना का परीक्षण, सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व एवं उपयोगिता, श्रेष्ठ उपकल्पना की विशेषताएँ, उकल्पना निर्माण में कठिनाईयाँ, सिद्धान्त रचना में उपकल्पना की भूमिका

आँकड़ों का संकलन– आँकड़ों का अर्थ एवं परिभाषा, आँकड़ों के संकलन का महत्व, आँकड़ों के स्वरूप अथवा प्रकार, प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों में अन्तर, आँकड़ों के स्रोत, व्यक्तिगत प्रलेखों का महत्व या उपयोगिता, व्यक्तिगत प्रलेखों की सीमाएँ, द्वितीयक स्रोत द्वारा संकलित सामग्री का महत्व, द्वितीयक सामग्री के दोष या सीमाएँ

आँकड़ों का संकलन (प्रविधियाँ) – प्रश्नावली, प्रश्नावली का अर्थ एवं परिभाषाएँ, प्रश्नावली के प्रकार, प्रश्नावली के निर्माण में सावधानियाँ, प्रश्नावली की प्रकृति, एक अच्छी प्रश्नावली की विशेषताएँ

तथ्य तथा सिद्धान्त : परिभाषा एवं अन्तः सम्बन्ध– तथ्य तथा सिद्धान्त, तथ्य एवं सिद्धान्त अन्तः सम्बन्ध, सिद्धान्त तथा तथ्य : इनकी भूमिकाएँ, समाजशास्त्रीय सिद्धान्त और अन्वेषण में पारस्परिक अन्तः सम्बन्ध, पद्धति तथा सामाजिक सिद्धान्त के सम्बन्ध, वैज्ञानिक समाजशास्त्र में सिद्धान्त एवं अनुसंधान

प्रक्षेपीय प्रविधियाँ– प्रक्षेपण क्या है?, प्रक्षेपण की प्रकृति एवं विशेषताएँ, प्रक्षेपीय प्रविधियों की विशेषताएँ, प्रमुख प्रक्षेपीय प्रविधियाँ

अन्तर्वस्तु विश्लेषण– अन्तर्वस्तु विश्लेषण प्रविधि का अर्थ एवं परिभाषा, अर्न्तवस्तु विश्लेषण की विशेषताएँ, अन्तर्वस्तु विश्लेषण के कारण, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की श्रेणियाँ, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की ईकाईयाँ, ईकाईयों का अन्तर्सम्बन्ध, अन्तर्वस्तु विश्लेषण के चरण, अन्तर्वस्तु विश्लेषण का मूल्यांकन, अन्तर्वस्तु विश्लेषण की प्रमुख समस्याएँ

कम्प्यूटर एवं अनुसंधान– कम्प्यूटर व कम्प्यूटर तकनीक, कम्प्यूटर की संरचना, कम्प्यूटर का अनुसंधान में प्रयोग, इन्टरनेट व अनुसंधान

Hypothesis- Constructs, Variables, Definition, Postulates, Assumptions and Hypothesis, Meaning and Definition of Hypothesis, Dimensions of Hypothesis, Sources of Hypothesis, Development of Hypothesis, Types of Hypothesis, Testing of Hypothesis, Importance of Hypothesis in Social Research, Chararcteristics of Good Hypothesis, Difficulties in Formulation of Hypothesis, Rule of Hypothesis in Theory Building

Collection of Data - Meaning and definition of Data, Importance of Collection of Data, Forms or types of Data, Difference Between primary & Secondary Data, Sources of Data, Importance or Utility of personal Documents, Limitations of personal Documents, Importance of Secondary Sources, Limitations of Secondary Sources, Questionnaire, Meaning and definition of questionnaire, Types of Questionnaire, Precautions in constructing questionnaire, nature of the questionnaire, features of a good questionnaire

Fact and Theory : Definition & inter relations- Fact and theory, fact and theory inter relationship, Theory & Fact : Their role

Projective Techniques- What is projection?, Nature & Features of projection, Features of Projective Technique, Main Projective Techniques

Content Analysis- Meaning & Definition of Content analysis, Features of content analysis, reasons of content analysis, Divisions of content analysis, Units of content analysis, relationship of Units, steps of content analysis, Conclusion of content analysis, Problems of content analysis

Computer and research- Computer Technique.

Section- B History

Marks- 50

ईकाई – 1 Unit-1

सैन्धव सभ्यता से तृतीय शताब्दी ईसवीं तक भारत का इतिहास

सैन्धव सभ्यता का काल, विस्तार एवं लक्षण, वैदिक संस्कृति– पूर्व एवं उत्तर – भूगोल : सामाजिक एवं राजनैतिक संस्थाएँ, आर्थिक स्थिति, धार्मिक एवं दार्शनिक विचार, महाजनपद, गणराज्य आर्थिक अभिवृद्धि, जैन एवं बौद्ध धर्म का उदय, मगध का अभ्युदय, मेसेडोनीया के आक्रमण और उसका प्रभाव। मौर्य साम्राज्य की स्थापना : चन्द्रगुप्त, अशोक एवं उसका धम्म, मौर्य प्रशासन, अर्थव्यवस्था, कला एवं स्थापत्य, मौर्य साम्राज्य का विघटन, संगम युग, शुंग, सातवाहन एवं कुषाण : प्रशासन, धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं वाणिज्य, संस्कृति कला एवं स्थापत्य, साहित्य।

From the Indus Valley civilization to 3rd Century AD

Age, extent and characteristics of the Indus valley civilization, Vedic culture, early and late- Geography : Social and political institutions, Economic conditions, Religious and philosophical Ideas. Mahajanapadas republics. Economic growth- Emergence of Jainism and Buddhism- Rise of Magadha- Macedonian invasion and its effects. Foundation of the Mauryan empire- Chandragupta, Ashoka and his Dhamma, Mauryan administration, Economy, Art and Architecture, Disintegration of the Mauryan empire. Sangam Age, Sungas, Satvahanas and Kushanas : Administration, religion, Society, economy, trade and commerce, culture- Art and architecture literature.

ईकाई – 2 Unit- 2

चौथी से बारहवीं शताब्दी तक भारत

गुप्त– वाकाटक युग, हर्ष–पल्लव, प्रारम्भिक चालुक्य, राष्ट्रकूट, चोल, प्रतिहार, पाल, परमार, कलचुरि, गहड़वाल एवं चौहानों का संक्षिप्त इतिहास, प्रशासन, सामन्तवाद, समाज, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा केन्द्र, अर्थव्यवस्था, धार्मिक प्रवृत्तियाँ, मन्दिर–स्थापत्य की शैलियाँ, कला, साहित्य, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक विकास का संक्षिप्त विवरण, बाह्य जगत से भारतीय सम्पर्क।

भारत 1206 से 1526 तक

विस्तार और संगठन– गोरी, तुर्क, खिलजी, तुगलक, सैय्यद और लोदी, विजयनगर और बहमनी साम्राज्य, राज्य और धर्म– प्रभुसत्ता और अवधारणा, धार्मिक आन्दोलन और सूफीमत, आर्थिक पक्ष– शहरी केन्द्र, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, भू–राजस्व और कीमतें, मंगोल समस्या और उसका प्रभाव, प्रशासकीय संरचना, कला, स्थापत्य कला और साहित्य, स्रोत– पुरातात्त्विक, फारवी और गैर–फारसी साहित्य, विदेशी यात्रा–वृत्तान्त।

India from the 4th Century AD to 12th century AD

Gupta- Vakataka Age- Harsha Pallavas- Early Chalukyas- Rashtrakutas- Cholas- Pratiharas- palas- A brief survey of the history of the parmaras, Kalachuris, Gahadavalas and chauhans administration. Feudalism, Society, position of Women, Educational centres, Economy religious trends, styles of temple architecture, art, literature, an outline of scientific and technological developments. India's contacts with the outside world.

India from 1206 to 1526

Exapansion and Consolidation- The ghoris the turks, the khiljis, The Tughlaqs, the sayyids and the Lodhis, Vijayanagar and Bahamani kingdom, State and religion- Concept of Sovereignty, religious movements and sufism. Economic aspect- urban centres, Industries, trade and commerce, land revenue and prices, Mongol problem and its impact, Administrative structure, Art, architecture and literature. Sources- Archaeological, persian and non-persian literature, Foreign traveller's account.

ईकाई–3 Unit- 3

भारत 1526 के बाद

मुगल काल के स्रोत– मुगल विस्तार और संगठन : बाबर द्वारा भारत में मुगल राज्य की स्थापना ; हुमायूँ और सूर ; अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब, मुगलों के अमीर तथा राजपूतों से सम्बन्ध, जहाँगीर– स्थिरता तथा विस्तार का काल 1611–1621, संकट का काल 1622–1627 नूरजहाँ जुंट, मुगल साम्राज्य का पतन : राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक कारण, मराठा आन्दोलन, शिवाजी द्वारा स्वराज्य की स्थापना, उसका विस्तार और प्रशासन, मराठा संघ और उसके पतन के कारण, प्रशासन : शेरशाह के प्रशासनिक सुधार, मुगल प्रशासन, भू–राजस्व और आय के अन्य स्रोत मनसबदारी और जागीरदारी।

मुगलों के अन्तर्गत सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन

ग्रामीण समाज और अर्थव्यवस्था, कला, स्थापत्य कला और साहित्य, व्यापार और वाणिज्य, अकबर से औरंगजेब तक धार्मिक नीति, शहरी केन्द्र और उद्योग, मुद्रा, महिलाओं की स्थिति।

India from 1526 onward

Sources of Mughal period. Mughal expansion and consolidation- Babur's establishment of Mughal rule in India ; humayun and Surs ; Akbar, Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb. Mughal relations with the nobility and the Rajputs. Jahangir- the period of stability and expansion 1611-1621 the period of crises 1622-1627- The Nurjahan Junta. Decline of Mughal empire : political, administrative and economic causes. The Maratha movement the foundation of Swarajya by Shivaji- its expansion and administration, Maratha confederacy and causes of decline. Administration : Sher Shah's administrative reforms, Mughal administration, land revenue and other sources of income, Mansabdari and Jagirdari.

Socio-economic and cultural life under the Mughals

Village society and economy, Art, Architecture and literature, trade and commerce, religious policy from Akbar to Aurangzeb, Urban centres and Industries, Currency, position of women.

ईकाई – 4 Unit-4

ब्रिटिश राज की स्थापना

यूरोपीय शक्तियों का उदय– ब्रिटिश सत्ता का विस्तार एवं संगठन, प्रमुख भारतीय शक्तियों– बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, मराठा और सिख के साथ ब्रिटिश सम्बन्ध, ईस्ट इण्डिया कम्पनी एवं क्राउन के अधीन प्रशासन, परमोच्च शक्ति, सिविल सेवा, न्यायिक, पुलिस सेवा तथा सेना। स्थानीय स्वशासन, संवैधानिक विकास 1909 से 1935।

आर्थिक एवं सामाजिक नीतियाँ

कृषि सम्बन्धी ब्रिटिश नीति, भू–राजस्व, कृषि एवं भूमि सम्बन्धी अधिकार, अकाल नीति, ग्रामीण ऋणग्रस्तता। व्यापार एवं उद्योग नीति, मजदूरों की दशा, मजदूर संघ के आन्दोलन, फैक्टरी कानून, बैंकिंग, परिवहन, निकास सिद्धान्त, संक्रमणाधीन भारतीय समाज, ईसाई मिशन, सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन, स्त्रियों की स्थिति, नीवन शिक्षण नीति, अंग्रेजी भाषा, आधुनिक विज्ञान, पत्रकारिता, भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य।

Foundation fo the British rule

Rise of European powers- Expansion and consolidation of the british rule & Organisation. British relations with major Indian powers- Bengal, Oudh, hyderabad, mysore, Marathas and Sikhs. Administration under the east India company and Crown, Paramountcy, Civil service, Judiciary, police and army. Local Self Government, Constitutional Development from 1909 to 1935.

Economic and Social policies

Agrarian policy of the British, Land revenue, Agriculture and land rights, Famine policy, Rural indebtedness. Policy towards trade and industries, Condition of Labour, trade Union movements. Factory legislation, Banking, Transport, Drain theory. Indian Society in transition, Christian missions, Socio-religious reform movements, Status of women. New educational policy, English language, Modern sciences, Journalism Indian languages and literature.

ईकाई – 5 Unit- 5

राष्ट्रीय आंदोलन एवं स्वांतत्रयोत्तर भारत

राष्ट्रवाद का उदय, 1857 का विद्रोह, जनजातीय एवं कृषक आन्दोलन, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधारा एवं कार्यक्रम, स्वदेशी आन्दोलन, भारतीय क्रान्तिकारी आन्दोलन भारत एवं विदेश में। गाँधीवादी जन आन्दोलन, जस्टिस पार्टी की विचारधारा एवं कार्यक्रम, वामपंथी राजनीति, दलित वर्ग का आन्दोलन, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ.भीमराव अम्बेडकर, पाकिस्तान का उद्भव, भारत स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर। स्वातंत्रयोत्तर भारत, विभाजन के बाद पुनर्वास, भारतीय रियासतों का विलय, कश्मीर प्रश्न। भारतीय संविधान का निर्माण, नौकरशाही एवं पुलिस का ढाँचा, आर्थिक नीतियाँ एवं योजना प्रक्रिया, राज्यों का भाशायी पुनर्गठन, विदेश नीति सम्बन्धी पहल कार्य।

विश्व इतिहास– संकल्पनाएँ, विचार तथा अवधियाँ

पुनर्जागरण, धर्मसुधार, प्रबुद्धतावाद, मानव के अधिकार, नस्लवाद, साम्राज्यवाद, समाजवाद, नाजीवाद, संसदीय लोकतंत्र, राष्ट्रमंडल, विश्वशान्ति के प्रयास, शीत युद्ध, उत्तर आधुनिकवाद।

National movement and post-Independent India

Rise of nationalism- revolt of 1857, Tribal and peasant movements Ideologies and programmes of Indian National congress, Swadeshi movement, Indian revolutionary movement in India and abroad. Gandhian Mass movements, Ideologies and Programmes of the Justice party, Left wing politics, movement of the depressed classes- Mahatma Jyotiba phule, Dr.Bhimrao Ambedkar, Genesis of Pakistan, India towards Independence and partition. India after Independence, Rehabilitation after partition, Integration of Indian states, the Kashmir question. Making of the Indian constitution, Structure of Bureaucracy and the police, Economic policies and the planning process. Linguistic reorganisation of the states, foreign policy initiatives.

World History- Concepts, Ideas and terms

Renaissance, Reformation, Enlightenment, Right of man, Apartheid, Imperialism, Socialism, Nazism, Parliamentary Democracy, Commonwealth, Efforts at world peace, Cold War, Post- Modernism.